पशुमूर्ति रामलिंगा शास्त्री
अकादेमी पुरस्कारः कूचिपूड़ि

PASUMARTHY RAMALINGA SASTRY
Akademi Award: Kuchipudi

Born on 22 December 1958 in Kuchipudi village in Andhra Pradesh, Shri Pasumarthy Ramalinga Sastry received his training in Kuchipudi dance under Gurus Vedantam Parvateesam, Pasumarthy Venugopal Krishna Sarma, and Vempati Chinna Satyam. He has also studied at the Kalakshetra Foundation, Chennai and acquired a Diploma in Bharatanatyam.

Shri Pasumarthy Ramalinga Sastry is today among the senior performers and teachers of Kuchipudi dance. He has performed and conducted seminars and workshops in several prestigious festivals within the country and abroad. He has choreographed numerous dance-dramas including Gajaneeyam, Sri Ramakatha Saaram, Rasa Leela, Shiva Leela and Tripadi Ganga. He has travelled to U.S.A. several times for conducting workshops and giving performances. Shri Pasumarthy Ramalinga Sastry has imparted training in the art at a number of institutions, and a number of his students have gained renown now.

Shri Pasumarthy Ramalinga Sastry has received several awards and honours including the Ugadi Puruskaram in 2012; and the Kalaratna in 2016 bestowed by the Government of Andhra Pradesh.

Shri Pasumarthy Ramalinga Sastry receives the Sangeet Natak Akademi Award for the year 2018 for his contribution to Kuchipudi dance.

SANGEET NATAK AKADEMI AWARDS
संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार
2018

आंध्र प्रदेश के कूचिपूड़ि गाँव में 22 दिसंबर 1958 को जन्मे, श्री पशुमूर्ति रामलिंगा शास्त्री ने गुरु वेदांतम पार्वतीसम, पशुमूर्ति वेणुगोपाल कृष्ण शर्मा और वेम्पति चिन्ना सत्यम जैसे गुरुओं के मार्गदर्शन में कूचिपूड़ि नृत्य का प्रशिक्षण प्राप्त किया है। आपने कलाक्षेत्र फाउंडेशन, चेन्नई में भी अध्ययन किया और भरतनाट्यम में डिप्लोमा अर्जित किया है।

श्री पशुमूर्ति रामलिंगा शास्त्री आज कूचिपूडि नृत्य के वरिष्ठ कलाकारों और शिक्षकों में शुमार किए जाते हैं। आपने देश-विदेश में आयोजित कई प्रतिष्ठित नृत्योत्सवों में अपनी प्रस्तुतियाँ देने के साथ ही संगोष्ठियों और कार्यशालाओं का संचालन भी किया है। आपने गजनीयम, श्री रामकथा सारम, रास लीला, शिव लीला और त्रिपदी गंगा सहित कई नृत्य नाटकों को कोरियोग्राफ किया है। कार्यशालाओं के संचालन और प्रस्तुतियों के लिए आप कई बार अमेरिका भी गए हैं। श्री पशुमूर्ति रामलिंगा शास्त्री ने कई संस्थानों में कला का प्रशिक्षण दिया है, और आपके कई छात्र अब ख्यातिलब्ध कलाकार हैं।

श्री पशुमूर्ति रामलिंगा शास्त्री को वर्ष 2012 में उगादि पुरस्कार और वर्ष 2016 में आंध्र प्रदेश सरकार से कलारत्न सहित कई पुरस्कार और सम्मान प्राप्त हुए हैं।

कूचिपूड़ि नृत्य के क्षेत्र में योगदान के लिए श्री पशुमूर्ति रामलिंगा शास्त्री को वर्ष 2018 के संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

SANGEET NATAK AKADEMI AWARDS
संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार
2018